

प्रेषक

विनीता कुमार,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

निदेशक,
समाज कल्याण, उत्तराखण्ड,
हल्द्वानी नैनीताल।

समाज कल्याण अनुभाग-२

१२ भार्व
देहरादून : दिनांक : १२ फरवरी, २००८

विषद—उत्तराखण्ड/अन्तर्धार्मिक विवाह प्रोत्साहन योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष २००७-०८ में प्राप्त आवेदन पत्रों की वित्तीय स्थीकृतियों के सम्बन्ध में।

नहादय

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या : ३८०३/स०क०/अ०ज००३० धार्मिक विवाह ०१०४०/२००७-०८ दिनांक १७.०१.२००८ की ओर आपका ध्यान आकृष्ट करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश संख्या : २/७/७३ रा०६०की० दिनांक १८ जुलाई, १९७६ तथा समय-समय पर संशोधित नियमायली के नियमों के अधीन श्री ताज्यपाल महोदय उत्तराखण्ड/अन्तर्धार्मिक विवाह प्रोत्साहन योजनान्तर्गत संलग्न सूची में उल्लिखित ११ (ग्यारह) दम्पतियों को वित्तीय वर्ष २००७-०८ में उत्तराखण्ड/अन्तर्धार्मिक विवाह प्रोत्साहन पुरस्कार दिये जाने हेतु रु १.१०,०००.०० (रु० एक लाख दस हजार नाम्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिवन्धों के अधीन व्यय किये जाने ली जाइ रवाकृति प्रदान करते हैं ।—

१. उत्तराखण्ड विवाह के अन्तर्गत एक पक्ष अनुसूचित जाति का तथा उत्तराखण्ड विवाह के अन्तर्गत दोनों पक्ष गिन-मिन-धर्म के होने आवश्यक है, तथा यह प्रोत्साहन पुरस्कार केवल एक बार ही अनुमत्य होगा।
२. पुरस्कार प्राप्त करने वाले विवाहित दम्पति में से किसी सदस्य द्वारा पृथक्कीलरण, विवाहित या विवाहित दम्पति के द्वारा दम्पति पुरस्कार की सम्पूर्ण धनराशि सहकार को प्रतिपूर्ति करने के लिए उत्तरदायी होंगे, और यह मू—राजस्व की बकाया की भाँति बसूलिय होगी।
३. यदि दिना किसी व्यायसागत कानून के और विवाह के दिनांक से प्रारम्भ होकर पांच दिन तक समाप्ति के दर्बर विवाहित दम्पति के विवाहित सम्बन्ध टूट जाते हैं, तो तदोन्तर्त दुरस्कार या सम्पूर्ण धनराशि या मूल्य मू—राजस्व बकाया की भाँति बसूली की जायेगी।

- पुरस्कार की धनराशि रु० 10,000.00 (रु० दस हजार नांत्र) पात्र दन्पति को संयुक्त रूप से अनुमत्य होगा।
- उक्त धनराशि निदेशक, समाज कल्याण, उत्तराखण्ड आहरित करके समर्वान्धित जिलाधिकारियों को उपलब्ध करायेगे। जिलाधिकारी सम्बन्धित दन्पतियों को सत्यापन करके पुरस्कार वितरण सामूहिक रूप से समारोहपूर्वक करेंगे।
- अन्तर्धार्मिक विवाह के मानली में शर्त यह होगी कि अन्तर्धार्मिक विवाह करने वाले दन्पतियों वर्गे धर्म परिवर्तन नहीं होगा।
- उक्त धनराशि चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान संख्या-15 के आयोजनेतर पक्ष के लेखाशीर्षक "2235-सामाजिक सुरक्षा तथा कल्याण कार्यक्रम-02-समाज कल्याण-800-अन्य व्यय- 00-05-अन्तर्जातीय/अन्तर्धार्मिक विवाह हेतु प्रोत्साहन (आयोजनेतर)" के मानक मद-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता के नामे डाला जायेगा।
- यह आदेश वित्त विभाग के अंशात् संख्या 459 (एनपी)/XXVII(3)/2008 दिनांक 19 फरवरी, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक : यथोपरि।

भवदीप्य,

(विनीता कुमार)
ब्रमुख सचिव।

पृष्ठांकन संख्या : ६५/XVII-02/2008-376(स०क०)/2002 तददिनांकित।

प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड।
- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- आयुक्त, गढ़वाल/कुमायू नण्डल, पौड़ी/नैनीताल।
- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- सुनस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तराखण्ड।
- निदेशक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- समाज कल्याण नियोजन प्रकारण, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर, देहरादून।
- गार्ड फाइल।

आज्ञा सं.

(आर०क०च०हान)
अनु सचिव।

अधिकारी/अन्यान्य प्रिवेट पुस्तकालयोंनाही वर्ष 2007-08 वर्षात आवेदन कर्त्ता की तुच्छी

300 (1999)

360 (318)